Title: Need to provide compensation to farmers of the National border whose crops and animals were lost due to Kargil war.

वैद्य विष्णु दत्त शर्मा (जम्मू) : उपाध्यक्ष महोदय, जम्मू-कश्मीर एक सीमा प्रांत है। कारगिल के युद्ध के बाद पाकिस्तान ने अपने इनफिल्ट्रेटर्स को जम्मू-कश्मीर में धकेलने के लिए जो अंधाधुंध फायरिंग की, उसके कारण नेशनल बॉर्डर से तीस हजार के लगभग लोग विस्थापित हुए हैं और उनकी बहुत सी धरती भी सीमा सुरक्षा क्षेत्र में आ गई। जिसके कारण न वहां बिजाई हुई, न जमीनदारों को वहां से फसल प्राप्त हुई और न उन

जमींदारों को वहां मुआवजा ही मिला। उनके हजारों पशु मारे गये हैं। उन्हें पशुओं का भी मुआवजा नहीं मिला और पाकिस्तान की गोलियों से मरने वाले लोगों को भी एक्स-ग्रेशिया ग्रांट अभी तक नहीं मिली है। मैं समझता हूं कि सरकार को इसमें मुदाखलत करके उन लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए और उन लोगों को जमीनों और फसलों का मुआवजा मिलना चाहिए।